भारतीय सौन्दर्यशास्त्र

उद्देश्य–

1. भारतीय ज्ञान–परम्परा का अवबोध।
2. संस्कृत काव्यशास्त्र के इतिहास का अवबोध।
3. संस्कृत काव्यशास्त्र से सम्बद्ध विशिष्ट ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों का ज्ञान ।
4. संस्कृत काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों एवं विशेष सिद्धान्तों का ज्ञान।
5. सौन्दर्य–शास्त्रीय तत्वों के मूल्यांकन एवं विश्लेषण की अभिक्षमता का विकास।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का परिचय।
7. संस्कृत काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के स्वरूपगत अन्तर व वैशिष्ट्य को पहचानने की क्षमता का विकास।

1. भारतीय ज्ञान–परम्पराः सामान्य परिचय

- भारतीय आस्तिक दर्शन

1) सांख्य
2) योग
3) न्याय
4) वैशेषिक
5) मीमांसा
6) वेदान्त
7) काश्मीर शैव दर्शन

- भारतीय नास्तिक दर्शन

1) जैन
2) बौद्ध
3) चार्वाक

2. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की अवधारणा
    - साहित्य एवं सौन्दर्यबोध
    - साहित्यशास्त्र एवं सौन्दर्यबोध
    - कला एवं सौन्दर्यबोध
    - संस्कृति एवं सौन्दर्यबोध
3. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की परम्परा
    - प्राचीन सौन्दर्यशास्त्र
        (1) रस–मीमांसा– भरतमुनि, नाट्य शास्त्र एवं रस
        (2) रसवादी आचार्य परम्परा
        (3) ध्वनि–मीमांसा– आनन्दवर्धन, ध्वन्यालोक एवं ध्वनि
        (4) ध्वनिवादी आचार्य परम्परा
        (5) अलंकार–मीमांसा एवं सौन्दर्यबोध
        (6) रीति–विचार एवं सौन्दर्यबोध
        (7) वक्रोक्ति–विचार एवं सौन्दर्यबोध
        (8) औचित्य विचार एवं सौन्दर्यबोध
    - अर्वाचीन सौन्दर्यशास्त्र
        (9) अभिनव सौन्दर्यशास्त्रवादी आचार्य
4. भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्यशास्त्र : तुलनात्मक परिचय

संस्तुत पुस्तकें–

1. जगन्नाथ, पण्डितराज, *रसगंगाधर*, बदरीनाथ झा,, (2001), वाराणसी, चौखम्बा प्रकाशन।
2. राजशेखर, *काव्यमीमांसा*, रमाकान्त पाण्डेय, (2008), जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।

3. माहेश्वरी, चिन्मयी, (1974), *रसगंगाधर : एक समीक्षात्मक अध्ययन,* जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
4. बाली, तारकनाथ, (1974), *पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास,* दिल्ली, मैकमिलन।
5. मिश्र, भागीरथ, (1993), *पाश्चात्य काव्यशास्त्रः इतिहास सिद्धान्त और वाद,* वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
6. मम्मट , *काव्यप्रकाश* व्या. आचार्य विश्वेश्वर (2009), वाराणसी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड
7. मम्मट, *काव्यप्रकाश* व्या. श्री निवास शर्मा, (2003) वाराणसी, भारतीय विद्या प्रकाशन।
8. आनन्दवर्द्धन, *ध्वन्यालोक* व्या. डॉ. कृष्णकुमार, (1988) मेरठ साहित्य भण्डार।
9. आनन्दवर्द्धन,, *ध्वन्यालोक,* व्या. आचार्य जगन्नाथ पाठक (2003), वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
10. कुन्तक, वक्रोक्तिजीवितम् रमाकान्त पाण्डेय, (2012) जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय।
11. द्विवेदी, रामचन्द्र, (1965) *अलंकार मीमांसा,* दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास।
12. श्रीवास्तव, आनन्द प्रकाश, 2012, *आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र।*
13. उपाध्याय, बलदेव, (2012 संवत्), *भारतीय साहित्यशास्त्र,* काशी, प्रसाद परिषद्।
14. उपाध्याय, बलदेव, (2012 संवत्), संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, लखनऊ, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान।
15. पाण्डेय, त्रयम्बक गणेश, (1960) *भारतीय साहित्यशास्त्र,* बम्बई पॉपुलर बुक डिपो।
16. अभिनवगुप्तपादाचार्य, (1934) *अभिनवभारती,* भाग 1–4, बड़ौदा, गायकवाड़ ओरियण्टल सीरीज,
17. अभिनवगुप्तपादाचार्य, *अभिनवभारती,* (व्या.) विश्वेश्वर, (1973), दिल्ली, विश्वविद्यालय, दिल्ली, मुद्रित।
18. धनंजय, *दशरूपक,* (सं.) श्री निवास शास्त्री, (1994) साहित्य भंडार, मेरठ।

19. भरत, *नाट्यशास्त्रम् (अभिनवभारती* सहित), रामचन्द्र कवि, (1964) बड़ौदा गायकवाड़ ओरियण्टल सीरिज, बड़ौदा, मुद्रित।
20. द्विवेदी, रेवाप्रसाद, (1997) *काव्यालंकारकारिका,* वाराणसी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, मुद्रित।
21. पाण्डेय, रमाकान्त (2009) *अभिनवकाव्यालंकारसूत्र,* जयपुर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, मुद्रित।
22. मिश्र, अभिराज राजेन्द्र (2006), *अभिराजयशोभूषणम्,* इलाहाबाद, वैजयन्त प्रकाशन, मुद्रित।

E- Resources

- रसगंगाधर– चिन्मयी, "रसगंगाधर : एक समीक्षात्मक अध्ययन "
https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.478623/page/n17
- रसगंगाधर, पण्डित राज जगन्नाथ– पाण्डुलिपि
https://archive.org/details/RasGangaDharPanditRajJagannathAlm2Shlf2254KhDevanagariAlankarShastra/page/n1
- काव्यमीमांसा–किरन श्रीवास्तव, "आचार्य राजशेखर कृत 'काव्यमीमांसा' का आलोचनात्मक अध्ययन "
https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.481074
- श्यामा वर्मा–"आचार्य राजशेखर"
https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.406632
- सी.डी दलाल– "राजशेखर विरचित काव्यमीमांसा"
https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.405279/page/n5
- सी.डी दलाल– "राजशेखर विरचित काव्यमीमांसा"
https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.405279/page/n5
- पी.वी.काणे– "संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास"
https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.320814/page/n1
- vidya niwas mishra, 'sanskrit rhetoric and poetic'

https://www.jstor.org/stable/40874432?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=poetic&searchUri=%2Faction

- काव्यप्रकाश– गंगानाथ झा "काव्यप्रकाश" https://archive.org/details/KavyaPrakash
- ध्वन्यालोक– रामसागर त्रिपाठी, "ध्वन्यालोकः" https://archive.org/details/DhvanyalokaHindi/page/n1
- आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि, "ध्वन्यालोकः" https://archive.org/details/Dhvanyalokah/page/n1
- K. krishnamoorthy, 'Germs of the theory of 'Dhvani'' https://www.jstor.org/stable/44028064?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=grammer&searchUri=%2Faction
- J. C. Wright, Sanskrit Poetics: A Critical and Comparative Study by Krishna Chaitanya https://www.jstor.org/stable/611535?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=poetics&searchUri=%2Faction
- E. B, The Vakrokti-Jīvitam by Rajānāka Kuntaka by Sushil Kumar De, Rajānāka Kuntaka https://www.jstor.org/stable/598409?Search=yes&resultItemClick=true&searchText=sanskrit&searchText=poetics&searchUri=%2Faction
- राधावल्लभ त्रिपाठी.'संस्कृत काव्यशास्त्र और काव्यपरम्परा' https://archive.org/details/SanskritKavyaShastraAurKavyaParamparaRadhaVallabhTripathi_201801